

207
Cānakya
Sāra Sām.

मद्ययानां रुदनिनी। स्त्रीनां लाजकलानां च विष्मसन्निधा ताम् सर्वं ॥ दायवाथघनं
विडंथघनं धनकावडाथघनं किसिवथघनं कुवाथघनं लाजावाथघनं थनः
वाविष्मसयातदाव थवर्कया जयुहालिल पिंटासीव निवस ॥ १ ॥ वेलिनीः
हादविष्मसं थानलक रुमिद्विनि। सवन्नाठदयुर्मस फः पतिनयतिवृद्धन ॥ २ ॥
नयुर्धनहाद वाविष्महायाय यव डार्कय। छिमायास क्र २ वलासिमान
काटद ननिद्रुदन वायव ॥ ३ ॥ धनधान्य ॥ यथा त्वापविद्या र्मिगुमदयुव। ज
दायववदालव। एकलक्ष सदातव ॥ धनसादासया र्थथघन वा अदकायमीः
थघन विद्यासुन र्मथघन वावहाउ र्मथघन थनसयाद ता लनमाल ॥ ४ ॥ न ठु
३४ हादसीमाला न ठु ३ हादसीपीता यस्तु यतिमदाया र्मिगुमलादाधदयु ॥

यानक साइ धइ जा

॥ ॥ लभनश्वायू प्रथया मामं छुत्रु वार्धु छुत्रु इल्ललसं सान्ना मदा छामूडरी म
ल्लपलीय ॥ १० ॥ माता ठां ठासमी तीर्थ पिता यथु प्रमावत्रु छुत्रु का दाले ममी
मीर्थ माता ठां ठासमी न ४ यून ॥ ठानिय मनश्वायामा मरु ली मिथि ठां ठासमी ववइल
पूकलधायामी तीर्थ थं छुत्रु का दालधायामी तीर्थ थं मामरु ली छुय छुय ठां ठासमी थं ॥
॥ ॥ वीद्या नूयक लयानी इमा प्रयतयहिती का किलानी छुत्रु प्रयं नॉ प्रयं प्र
मिवना ॥ कल यया लयइ ली वीद्या नयधिया लयइ ली इमा का किलया लयइ
ली सल छीया लयइ ली यमिवताइ ली ॥ १२ ॥ नवविद्या समार्व ध नववाधिसमा
लियु ॥ नवायन धाम स्रह नवदवा ली मली ॥ ठाननरु ली विद्या का छु ल्यमइ ॥
कुरु लसा वाधि डा छु ली मइ ॥ ठानदइ लसा काय का छु डा छु ल्यमइ वलिइ ॥

लसाविधमावयुलमद॥ १२ ॥ विद्यायवासिनामिर्गं तार्यामीर्गठद्वयमात्र
 लसावधमीर्गं धमामिर्गयप्रययं पल्लवधायामीर्गलीवीद्या कृत्यामीर्गलीकी
 लोयेयामिर्गलीडीधधि पल्लवयामिर्गलीधर्मा॥ १३ ॥ इलाधीताविधवीद्या
 अमिर्गलीडीवीधी विधील्लादिदलिदस्य वृद्धस्यतलनीविधी॥ माकालज्ज्याः
 धामयानदाव धायविधीमसली अमिनरलीदाव नया अलीवृषरली धममा
 धानरलीदाव कृतिल्लावृवीषरली अथयान्नायकाताविधरली॥ १४ ॥ अनाः
 त्यासदताविद्या निर्यादासदताम्रिया कविर्यनहतीकृती रूपावधेदमाधया अस्या
 मयानदाव धायविद्याल्लरली बल अवालीडीकृत्याल्लदाव म्रियरली
 ली अथाकृत्याल्लदाव वृद्धाल्लरली उद्यवनमरिनदाव लामा रलील्लरली॥ १५ ॥

यस्ययुगानविदोभा नरुल्लानवपठितश अंधंका लीकलीतस्य नय्यवृद्धवर्धली
 ॥ १६ ॥ कृत्यायप्रययाकायधर्मा मधाल्लदाव रलीमरलील्लदाव कृत्यानिमरलीदाव धया
 कली चन्द्रमामदा लागीथा विदस्यवीनस॥ १७ ॥ धर्वालीदीपकध्वन्द्व यतागः
 लवीदीपकधर्मा लोकादीपकाधर्मा स्युताकृत्यादीपकाधर्मा लागीयासराकलीमः
 ता चन्द्रमाली दीनसातायमानयक धर्मा ता लोकायामनेरलीधर्मा कृत्या
 ममाकली स्युताकाय॥ १८ ॥ अन्तमाथापनताया यमुविधीयययुति अनदता
 यतागः यकृत्यापीमलसमाधर्मा धमरलील्लविवनी धमयतियाल्लयाकरी धमविद्या
 स्यदरी नामदल्लनकवरी॥ १९ ॥ धर्वालीवापधाय॥ २० ॥ उद्ययलील्लानयन मी
 पनीतयेवरा पनीमातासमाताय यकृत्यामाल्लसमा॥ उद्ययलीधर्वाली लः॥

जाया मिथरुल \ थवमीयामामथरुल \ मिथयामामथरुल \ थवमामथरुल \ थः
 दादामामथरुल ॥ २० ॥ ला लयतयकठवानी दठावषी नीतायत \ धीपाफषादः
 थपठष \ पूठेमिठैठामाचलात ॥ थयकपूठययाकाय \ दौंतासाचूनकु यमिदंतातादल
 पीत \ मिमषुदंदतदाव \ कायवावववा \ मिथरुलपी \ थदलया ॥ २१ ॥ ला लयव
 दवादाषा \ तादयवदवा \ छना \ धागमातमातूपूठैठवीरुतादयतनयला लय
 त ॥ कायमाचाथवसखन \ छयान \ अनाकद्वषन \ तादपीपीतलदाव \ अनाकठु
 धी \ थनरुलदावथवकार्यथरुल \ धिषाकालीथरुल \ तादययमाल \ ला लय
 यकामतव ॥ २२ ॥ पृगामुविवी \ धेठामु \ निथाकाठामरीवूठ \ निधिरुवधि
 सपन \ तवनिखलपूमीता ॥ रुनिताकाकाय \ थाकलपठामुठ \ कायठामुठ

ठालदाव \ लाकठामरुठमालयायीव ॥ २३ ॥ यथयूठकिमालय \ मय \ थतालवा
 दकायथतपूमीताताडा \ यथयूठदिनदिन ॥ चानैमषीरु \ थवकायदादा \ अला
 समतलठामुसनदुनिकायधामु \ धामुमसलसा \ संधालेधालदाकवयीव \ धामु
 सलसा \ ताडायेडान \ मानयायीव \ दिनयुनिठामुसीदुनिकायदादाली ॥ २४ ॥
 लयिललाठायाठाठामुयकायकिंयऊन \ तीवूतोयदिठामुनी \ यकायकिंयथाडा
 नी ॥ थयकपूठनी \ विद्यासन्वयील \ थलिवरुला \ अलाठामकायीवरुला ल
 वीलली \ अलाठावमदतदाव \ वेदिवनकरुयावकाय ॥ २५ ॥ दिनयूठियताय
 लीकिमातायुठयडाडनी \ वीकियननयनीतीठठावषीलवीवजितधामुठनसया
 दुनिन \ अतायनान \ चूयथाऊन \ दददायमदुठमी \ धीथनकायायकान \ म

लमवता॥ २३ ॥ नलसारातलनेर्यं प्रपणरातलनेरुन। ठुनसारातलनेरुनी क्का
नसारातलनेरुमा॥ मनश्या अतलनरुनी। लपं प्रपयअतलनरुनी ठुनी
ठुनया। अतलनरुनी क्का न। क्का नया। अतलनरुनी क्का मा॥ २४ ॥ ठुनीयः
चुसिमा प्रपं। ठीलपचुठीमा क्का नी। ठीधीयचुठीमा वीद्याताठायचुसिमा धन
॥ लपयासुताठुनी। क्का लमासुताठीनी। विद्यायासुताठीदि। धनयासुता
दानयाय। ताठायया॥ २५ ॥ अठुधसुदरीप्रपं। अठिलसुदरीकली। अमि
धीठमादताविद्या। अताठाठपदरीधनी॥ ठुनमठा लदावप्रपं क्का लरुनी। ठील
मरिनदाव। क्का यासुतामरुनी। ठीदिमदतादाववीद्याधे असीदिशुनी। दरुनी
ताठरुनी। धनयासुतामय॥ २६ ॥ ठुनीठुषायप्रपं। ठीलरुषायप्रपं॥

ठादिठुषायप्रपं। ताठठुषायप्रपं। लपयाअतलनरुनी। ठुनी। क्का लः
याअतलनरुनी। ठील। विद्यायाअतलनरुनी। सिद्धी। धनयाअतलनरुनी। क्का
रुयाय। ताठायया॥ २७ ॥ ठुनीकलयाप्रपं क्का नी। प्रपं वीद्यासुताठाय। ताठायः
यान। ठाठ। मीर्यधमनियानयन॥ क्का नाथाठलया। ताठकली। कायथाठल
य। विद्याठा। सुक्याठयय। द्रुपसं। मीर्यथाठलयाधमस॥ २८ ॥ नाठचुठीचिल
मय। नाठिनिनेलठाठनी। वाठठमयठाठयाना। नाठियालामदाधनी॥ ठुनीय
याठदाव। सुमलपचुताठमरुनी। पाठनीकदावनमरुनी। ठाठालठामडः
पाठयायजिवय। थगन। क्का निलाकसुनी। उयाठाययमातया॥ २९ ॥ ठुनीकनेयः
उठदवपादनेका। क्का लदावा। अयादीउवसेक्या। द्वायनकमस॥ ३० ॥ ठुनीडनदिनप

ति। शिलाकचुपनीठाक। वाचनीठाक। पादत्रि। अषलनीठाक। चुठलनीठाक।
 दानयार्यदीपति। अचिडनी। अचिडनी। अचिडनी। अचिडनी। ३३॥ याज्ञनातीष्टादधुनि।
 उन्नयानिपिपीलीका। अठाचु। रोवनेयापि। चदमर्क। नेठाचुति। अष्टामवरी।
 वानसा। सीयादिनिंदालक्षिथाजनवनी। सर्व। सधानधम। ठलि। उवाडलायनी।
 धायादिनिन। ठालदलिदिनीधया। धथानडयाठायायमाली॥ ३४॥ धाने
 लथधानेवीद्या। धानेधपर्वतमालहा। धानेधर्मधयकामधय। कायामधधधानेधा-
 ने॥ धनदयक। विद्यामनी। चर्वनकाय। धर्मयार्य। थयतावल्लुननुजित
 अष्टाव्यमगतव। अशिलयवतदयकीधयन॥ ३५॥ ठुलसुधुधयाविद्या। य
 के। लनधननवा। अथवाविद्ययावीद्या। चरुथनायलहयन॥ वीद्यालायकली

थयताननुदव। अथवाठुय्याकठिवायादानजाय। असाअर्दकालनलाय। असा
 धनविद्यावजाय। असाथवकवादविद्यावदिनायलाय॥ ३६॥ एकाकलधायदाः।
 गापी। याठुलीमरिठानेना। धनयानीधारीठाला। काधुअलवपीकायन॥ अथलचु॥
 ठलसुदकथकल। ठुचुनिंदायनसा। धाचिपात्रविवाक्याववयीन। लिपातपा
 धर्यावकमकायिवा॥ ३७॥ यमकधयथाधारीनीधिनठुलसीनीधो॥ नसातक
 धातामध। जालठाकूवमीय॥ ठुलयाकमसीस। यठिठासायव। यादाधम।
 क। मवयालानदव। भावार्थ। थधामुठाताधामवाल॥ ३८॥ धालिठोलीमनालः।
 सी। याठिठीमीवदिसंठुद। अचोतदलनीविद्या। यकनमकयानिधी॥ सिकलमि
 वापात्र। लाहाकलमियावापाल। अलाहयमगतव। धाधननवमिवायाया। धा

मुहाय धदाता षनययमद अशयत धुल ॥ ३ ॥ नदिजलनी चय लं य
 एली नडयगं ॥ छेध कु नकययानि पेयादधीय रीयथा ॥ कुलनक रधाय ॥
 मद अशरु ली छेधसवदी छुनयली कायादाव गथा धालहा ॥ इध धयिया कन
 यालदयकी द्यालनायकायली ॥ ४ ॥ किं कु लनविष्मलन छुनवानय निमान ल
 धधनर्वधावि छुहाया नि छुन ४ कि कली क्रमि ॥ रिद कु लनया कनची धी गवदी छ
 नरुन ४ रीडाका लाकनमानयायव जाकाथरु ल छेधमहा लदाव च पुया
 क्रन ॥ ५ ॥ किं कु लनविष्मलन विद्यादिन मुथानली ४ अ क लिना यीविदी स
 दवर्गगपियुजिग ॥ गवकायू रूषदी कु लवनाक याव च पुयाजन विद्यामसपदा
 व ४ ॥ मुहाय ४ ॥ मावन गथादवपुजायारी थथयनायारी ॥ ६ ॥ छुना ४ ४

य
 वरुं कत पीयर्व ४ ॥ निलथका वासदवनमस्थानि वसुधवनमकना ॥ सूठा स
 मथासु लरं पाता लरं छेधनयनायारी ववधायी मद छुनहा लदाव ना ॥
 लायनी लं ४ ॥ मरु नयनायारी छुनमहा पदाव ना लायनयावव वासुदवी ४
 सुनानयुजामयारी ॥ ७ ॥ छुना ४ कर्व निद लरवीद लपिव सतासगो कतकिठा ॥
 धमा सुय ४ ४ रीठानि सगपदा ॥ छुनवनकी या आदाथा सथरु ल ४ ॥ धका थरु ल
 गथातायी नथाद सानयो नाता याव उमलरु ताव न थथी लाकसक योवनिवा ॥
 ॥ ८ ॥ विद्यालेवनपगं उनदि छु लय लउमहा छवदहायुजितालाका विद्याहार्व
 ययुजिग ॥ जाका डविद्या ४ ॥ मुहाव रू ४ ॥ डनिमका व जाका रू ली थव जाछसक ला
 गा मानयायिव यउजकनमानमयारी विद्या ४ ॥ मुहाव रू रू ली ठानावानसी ला

ज्ञानं यज्ञानं मानयायुता ॥ १॥ चक्रेनापि सुपुत्रं विद्याशुक्रं न धाधता ॥ कृती
 पूरुषसिद्धं चन्द्रधोवपुकाष्ठयतं ॥ सुपुत्रकायं विद्याधायसा धवचक्रयापनिर्मिद
 यायोवाठार्थचन्द्रमाया तं न न सकयलाके राया र्थं यायदुगसा चक्रकायं ठम
 के ॥ २॥ विद्यायासाकनेकध्वत् कश्चित्तुडवाताकने उरथासाकनेकश्चित्तु कश्चित्तु
 तं नाहयसाकने ॥ तुलित्तिन्नलोका विद्यायाथात्ता तुलित्तिन्नं उरथासात्ता ठम
 लिच्छिनेविद्याधाव तुलित्तिन्नं उरदव ठमलिच्छिनेविद्याधाव उरथात्ता ॥ ३॥
 तमनिद्रुलिनावृक्षं तमकिं तुतिनाकता तुलिकायुक् सुपुत्रकतिद्यतं नरमत्तमं ॥
 सधावसिने भवतमका लयाकषी तुतस्तानधावकीने भवतमका प्रयावद्वं ठम
 दसिवडाथा मुखजागिद्वं यलपूर्यमजिव तनयानकीमजिव मुखइकाया

[illegible]

क्लानिकमल क्लवचनमकुक दपिड व प्रहाणागीकृत इ ४ स्वसूचनिसातव
 थक्क प्राजायायदुवा ॥ १२ ॥ क्लनशीलठुभायत ४ हासधर्मयलायन ४ यविन
 हाप्रादका लाजाधकविधीयता ॥ क्लवचन कुदावन हासवन धम्मिका य
 विचकन क्रमावन थर्थिक प्राजायायदुवा ॥ १३ ॥ क्लवशीनिनालय अयथाक
 सदाकवी अनायययक काले माधीचलीनियानयत ॥ क्लधी कामहालसद्वी ला
 ति अक्कनि अयमध्वसवययाक थर्थिक लाजायायमगवा ॥ १४ ॥ मूलवलि
 दिताधीली ४ हासिल लयपिकर्क सुविधमवसायीवधर्मधकविधीयता ॥ १५ ॥
 लहानी आकाकसुदितयाक धामरुललयापलीषायाक धीलतिर्कयाद ध
 मिधाय ॥ १६ ॥ आयुधदकतायास ४ सब सुवि यदधर्ना अर्याशीलठुभायत

चववेद्यावीधीयता ॥ १७ ॥ अदिर्न वेद्यधामु अस्याहायावी नापिरुदविकित्ता ॥
 धपव लाकवठुव धीलसातावहिद ठुनवन थर्क वेद्यधाय ॥ १८ ॥ पिर पिता
 मदादक धामु के मिषयाचके ४ सुविधका ऽनलवेव सयकाल ४ यससा ॥ १९ ॥
 अजानिमी विचकन धामु हाव पाकहिद कथिनमद्रव थर्क सुवालयायहिद
 ॥ २० ॥ सकदक ठादिताथ लयदरु निताक लहासर्धधामु समा लाकी यषल्य
 कडचा ॥ २१ ॥ अषलगाक नानकाववा धपदव अषल अर्थयायदव अषललित
 हिद नानाधामु सस्यासयाकर्क सधधाय ॥ २२ ॥ वेद्यीमाकालगतलक वलवा ॥
 प्रियदधान अयमादिसदादक यनिदल ४ सडच ॥ २३ ॥ कोर्यअनूपसव वलव
 न लाकवठुव यमादिसद्वत विचकन थर्क यनिदव धाय ॥ २४ ॥ समरुद

ले २
॥ ६२ ॥ अथ यवकुलिनानां देया कर्तव्यं किं वदं । अदि सधा वसाना यूनन गया स
निक्रिया ॥ धर्म निष्ठयन कौतुकन दसावनन रहु प्रियादन अदिसद धर्म
लिपरी विक्रियामयाका ॥ ६३ ॥ पछी गव कुछ ॥ ४४ ॥ सर्व मूषादाषा मुकेवल ॥ ४५ ॥
सात्म च सद सान पुरुष वषय ससाग ॥ ४६ ॥ न समर्क विवर्णन क्लानिर्द्वयाक दा
षन समर्क मर्षयाक धर्म अर्थन मर्षदा प्रक्रिताने क्लानिर्द्वय प्रयमा ॥ ४७ ॥ प्रा
क्लानि पाछमानु सानिना क्लुया कुछ ॥ ४८ ॥ य स ४ साठ निवास ४९ चकल ४९ धना ठाम
॥ ५० ॥ क्लानि वा थाड लपाका य स जाजा सासता कुछ दयव दस कि किंदय चीधन स
४९ वर वा निडा लक्की दिये वा ॥ ५१ ॥ मर्षनी या छमानु उथा दाषा मदिय ग ४९ अ
पछा ४९ धर्मा ४९ न प्रक यत नं ५२ ॥ मर्षवथा अ प्रयाका य ४९ जाजा सासता दाष

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नरुय मषषाङ्गाविव लक्खिनताल्लविव विषयतमनलकवानिव ॥ ६८ ॥ गणानुमुमि
 साप्रानिही धर्मकामाथवद यता ठुधावननियोक्तेन ठुनदिनविवजिने ॥ धन
 नठवक्रापुषन धर्म अर्थकाम वदियायते ठुनवकक्रीयाजप्रयमाप ठुधा
 मइक्रतापनेमाप ॥ ६९ ॥ यलीखित्कुपुनरुहसुसीवायदिवामुदी तनसेवदने
 प्राजा सुकतेइसुतेपया ॥ ठुधावनकक्रीयाजप्रयान थर्कनतिदयादानी मतिद
 नी हीअयादानी इखनयादानी प्राजायालक्रीदयिकीवा ॥ ७० ॥ यथदमिपति
 धर्मे तापनादनचुदने तथापुषमयव केपधीलनेकमाना ॥ ठार्थे केयाव
 दायाव लकधादानी ल पलिकीयादाथा ॥ ठथाकुपसुतावकर्मन पुषया
 पलीकायाया ॥ ७१ ॥ कृतवीयकदाहत्या वीधवावसनाठाम अयलालनेथा

मिथी तार्याविहवक्रय ॥ ७२ ॥ ठुधावनदितसायकचुम्बे सजनदितसाय इवस
 मिगदयकविपलिहा मुदयक सीयतिमदनदाव ॥ ७३ ॥ हस्यावद्विधाप्राज
 न डर्कसाधमम धामातेनियोक्तायथाथा ॥ मुविधधवकमास ॥ ७४ ॥ ठुधावन
 जेनकविधीतिद मतिद सचराचय थयधीसादक तिदसथाजप्रय मतिद
 क्री मतिदसीथाजप्रय ठाचराचयक्रीधाकप्रसथाजलया ॥ ७५ ॥ जालसीपली
 काय तयावाधानीनैठार्थी असीठुकेच लकृताहरीनप्राधीया अप्राधीधमाय
 यव कोधातयधीवाधानी दधी विद्वानसीठुकेमइव तल्लिमइव थर्पिदक
 प्राजाधमात्रमाप ॥ ७६ ॥ थर्कनसामिनमत्यु मत्युकेपनेलकृताकय
 नादविधाधर्मे तसाचकतेनाधानी ॥ कृनिमइवक्री सामिगात्रमाप ॥ ७७ ॥

मशव कपनीश उदाव कार्ययातिह मस्य लदाव थयै जाजाता प्रगमाल थय
जाया अकार्यइयव ॥ १४ ॥ गामहासुता मय ४ पुषकावाही तात्रक ४ निसंदारव
धुवर्ग ४ लुद्रदसामहा लुषी ॥ वीयतिहाम नवमिसाथयत मयकार्यथयत ॥ १५ ॥
योकार्यमयो कामामिसाथयत सनद मद्रसजनीथयत थयतालताव महासाय
पुषयासुषदयव ॥ १६ ॥ नकछीतकछयवीलिरी नकछीतकस्यचित्तुपीय ४ का
यनादवजायने मीकाछीलीपवसुथा ॥ मीगुदयवकायनन ४ अजदयवकाल
नन मीगुवासुद्रयव कायनदददाव ॥ १७ ॥ कार्यार्थतजने लाक नलाकाप
उमार्थत ४ ठवृषीप्रकार्यदहा पलीत्यजनिमठुली ॥ कार्ययाअनूपन ला
कराजपेययव ठार्थताधायस सवानइइता नमदददाव मासातालताथी

॥ १८ ॥ कृतावसनीनानिडा अरफस्यकृताप्रमि कृता ४ साक्रीदप्रिडस्यकृताया
मा ॥ वासहायायमेवकीया कृलमद्र गफिमरुवकीया प्रसर्वीमद्र तासनकी
या सुषमद्र इर्जनकीया कामामद्र ॥ १९ ॥ तस्य प्रसर्वतामाता दयनेमकृताया
मा ४ वे ४ ॥ मीदीकृतासहा कृता ४ सहाकृतामीना ॥ वृया अर्दकात्रेमद्र वृक्षाययास
हसर्वीमद्र इर्जधया कामामद्र जिठिकृतायासनदमद्र ॥ २० ॥ द्रवेलस्यवलाया
आवातानीप्रदिरीवली वलीमर्षसामेनर्त योयोनाममतीवली ॥ द्रवेलयावलेरु ॥
लंजाजा वालकयावलेरु प्रेखाय मर्षयावलेरु प्रेनामवासीथान वृयावलेरु
प्रेअछुधकाया ॥ २१ ॥ अनाथनीदप्रिडानीवालवर्धनयधिवनी अनाययप्रिडता
नी सर्वषीयधिवाठानि ॥ ठातिमद्रया तासनया वायकया अथया विद्यसियाथ

गङ्गा नदि इति प्राज्ञः ॥ ४१ ॥ वाधितस्य धदिनस्य धातु मित्राणि न स्युः ॥ हृदयं ॥
 कदम्बस्य सुहृदघ्ननमोषधौ ॥ वाधितकयावचादया समधादिदावचादया ॥ धा
 तुवलिङ्गवैयर्थ्यादया ॥ हृदयस्य धातुवचादया ॥ धातुवचादया ॥ धातुवचादया ॥
 यः ॥ ४२ ॥ अत्र लवणस्य नापाके इति शस्ये विग्रहः ॥ प्राज्ञः दाता सप्तमानवा यस्मिन्
 निसृष्टा वानधका ॥ प्रायसीकृतं विपनिमीथकृतं नयमदप्रथकृतं सञ्चवकार्यद
 गदावै ॥ प्राज्ञानकृद्विज्ञानदावै ॥ धनसंविद्याप्रयागदावै ॥ धर्मगतिधायः ॥ ४३ ॥
 तावत्सिद्धिमनुष्यानीकं नवीसर्वकर्मसु ॥ तावन्नवमिताकला ॥ तावन्नदितातना ॥
 मनुष्यान्वृत्तकर्मकृतस्य सासिद्धिर्यै ॥ तावत्तावदा ॥ स्त्रीयूपानयै ॥ स्त्रीयुपायः ॥
 सैवपानयै ॥ तावन् ॥ ४४ ॥ नदवतिद्यगकाय ॥ पाषाणनचमममय ॥ तावत्पवि

अथ नदवतिद्यगकाय ॥ लाक्षासिद्धवमद ॥ सिद्धवमद ॥ चासिद्धवमद ॥ ताः
 वमात्रे नदवद्वै ॥ धनार्थन तावन्नेयाया ॥ ४५ ॥ धीमान्नादवताचोय ॥ स्त्रीनमा
 चार्थदवतादवतायाचिता ॥ तर्कावोक्ता ॥ धातुनदवता ॥ धीयायादवता ॥ ४६ ॥ विषयस्यार्थ
 वक्ति ॥ प्रायार्थस्यार्थदवता ॥ धातुस्यार्थमात्रा ॥ मित्रयद्यथार्थसूत्रैः ॥ वाक्कायस्य
 इति ॥ अतिथौ ॥ ४७ ॥ अत्रार्थस्यार्थदवता ॥ धातुस्यार्थमात्रा ॥ धातुस्यार्थमात्रा ॥
 उदाहृत्य ॥ ४८ ॥ अत्रार्थस्यार्थदवता ॥ धातुस्यार्थमात्रा ॥ धातुस्यार्थमात्रा ॥
 लिङ्गैः ॥ सर्वस्यार्थमात्रा ॥ ४९ ॥ वाक्कायस्यार्थमात्रा ॥ धातुस्यार्थमात्रा ॥
 यावत्पवि ॥ तावन् ॥ ५० ॥ उक्तं सत्यं चित्तं ॥ सति चित्तं ॥

ॐ हमा ठाता यज्ञानिथापितं धनं यै सर्वसाखा ठाता छु ३॥ इह मजा निहलं सनी
 निवजा निहसनी असा ठाता यज्ञसव लदा यज्ञाया यथा ठा सुया सिर्व असा ठाता य
 ॥ २६ ॥ दवता यज्ञ यततका रसादा नन यज्ञ यता असा यज्ञा यका यथा विप्रा ना
 मतिव चना ॥ दव यज्ञाया यता वना न जाजा यज्ञाया यदा मने छुड यज्ञाया यथा
 डयता न वाक्क धा यज्ञाया यतम लु यना ॥ २७ ॥ धर्म सामू ली जाजानी सतामू लक
 वाक्क धा वाक्क धा यतत धर्म सनाता न ॥ जाजा यामू ल धा धर्म वाक्क धा यामू ल न
 य अना यज्ञाता वाक्क न यज्ञाया य धर्म ॥ २८ ॥ आचार्य रु ल ग धर्म आचार्य रु
 ल ग धर्म आचार्य रु ल मा प्राणि आचार्य रु ल रु धी ॥ धर्म रु ल ल य क आचा
 र्य ध धन द य क आचार्य ध रु ल ला य आचार्य ध ल रु ध रु ल प य आचार्य न

॥ २९ ॥ ताडी ताजन सकि छ पति सकि र्व उलि य ॥ विरवा दान सकि छ नाल्लः
 सत पसरु ॥ नय रु वया ताज धा धर्म काम ससा मर्थ रु य य व ध धर्म ध व या क ॥
 तया क य य य व ध धर्म ड व द य य व ध धर्म दाना रु य य व ध धर्म ध ग रि क धा द न
 पन ला य म ॥ ३० ॥ वा ल ये व च ल धर्म मानि र्व प य प रि नी रु लानी म पि य का
 नी धम धर्म पत नी व व ता वा ल क स धर्म या य मा ॥ अनि र्व स सा ल स वा न्य शर्थ
 धा य सा धर्म न ध व प द य य र्थ दा सी मा य वा ॥ ३१ ॥ समु द्य द ना धर्म कु धा न व द न
 न य ॥ अद रु रु द ती साने य पा द न रु ती धु नी ॥ अरु कालि रु ल दा व धर्म म द यि व
 को धी र्क या ग य सि म द य व द ध म रु ल दा व रु ल न म द यी व य मा दि रु ल दा व द
 दा धम रु ल ल रु ली ॥ ३२ ॥ अदि य रु ल रु ल दा द मा रु ल रु कि य मा र्थी का ॥ ड य रि या

हताकाना साधयाकः क्रियाहता ॥

॥ ६॥ दण्डिर्द्विधाधिद्विषानि र्वधनीयवसानि
 उ० उदाउरुलमगानिगस्यादानीविशिष्यत ॥ पूर्वजैसदववमुनेमयादाहलदाः
 आवकससदपिडइली विपरिल्लाय थनमूमाउकयातदानयाय किमिदयः
 कमाला ॥ ७॥ यउकायिवधानाय यउछुअववजमुपुनाहससमनयय ययः
 धर्मविदिकता ॥ अयनधर्मसउसमइव अधर्मयाकमनययावासइलीसाकव
 ७थइलुइलसामप्रयाथ थनमादहा ॥ ८॥ अउमदर्यनसीसर्ग तइसाधस
 मागना० केयूनमहालाय साउलिहामनित्यती ॥ अथिलसीसालालाय दइन
 सीसर्गनाउत साधजनवायसीगयाहना ॥ ९॥ ॥ १०॥ अमुथवकयाविदान नउडा ॥

निमित्तकृषा वदार्थवकृषाविषा ॥ १०॥ गजायायूवकृषा ॥ पडिगयामिषाइली ॥ ११॥
 मुलाजामिषाइली निमि वाकनयामिषाइली वद ॥ १२॥ सुयामिषाइली व
 लिउ ॥ १३॥ ॥ १४॥ गिखानकसावसीउदयथमठानकासमाफ ॥ ॥ ॥
 गजाधर्मनिधर्मकृषायापयापसमाठामं० गजानंदरित्यतिहा यथलायागथाः
 पजा ॥ गजाधमिइउसा यजाधमिइय गजायापिइलसा पुजायापिइली गः
 गजइवमिइलसा यजाइवमिइली गथगजाइली अर्थयजाइली ॥ १५॥ उद्यम
 सादासीधयी वरीवृद्धियलाकमः सदतयस्यमिठकि गम्यदवापिसेकिमी ॥ १६॥
 द्यमसादासधेयवउवृद्धि यजाकम थनगानसीइकायूय वीदावदवरीषा
 वावा ॥ १७॥ सामदाननरोद्यन कमनचवलनच० सव० मुसदासकृषाननिय

यः सूर्यः मित्रं मरुतलदावः थर्क्या कार्कनासद्वली ॥ १॥ अनायचवयं क
 ला अनाथकलदधियः आनु लसर्वरविच नयशां विनसगि ॥ २॥ कामन
 वधः श्रियमसासी वययादथ घनः यानामददश सलाययथ घनः लायसी मनि
 दनवक्रं थघनः थर्क मनुष्यामथानं सियिव ॥ ३॥ के४ का लः कानिमित्तानि कद
 हा४ कायया ठामः कणादं कायमठाकि लिगियिनामदमदः ॥ कालइली सुः
 मित्रइली सिदहाइली लायय च्छा ठामधय च्छा इली सञ्ज सकिइली च्छा
 लीयाली थयचिना थवसुयलस ॥ ४॥ सिदादवीव कोदवी धीष्ये लातिकुक्ता
 नावाय साहीवधाष्ये च्छा ठुदा मिदिठादता ॥ सिदयाक च्छा ठुदा स नः
 होययाक च्छा ठुदा स धा रायाक यता ठुदा स धा च्छा यक दाता ठुनस

नः धीयायाक च्छा ठुदा स धा ध्याक सता ठुदा स धा ॥ २० ॥ यनुतकार्यम
 न्याना यानलः क ठुमिच्छता सर्वालकापतत्कार्य सिदादक विधियता च्छा कार्य
 अलमया दली नमयासी निकर्षनदा यनुतयननस न सिदयाक सेन ठु
 दा ॥ २१ ॥ वंडीयानि रुमैयय वकवकुपछितानय कार्यक थापनता मि सर्व
 कार्यानि साधयता वादाउथि मधयान थवकार्ययायमदता लः पंछ वंडीनः
 सयमनव थवकार्ययायदुनदाव च्छा कार्ययाय ॥ २२ ॥ यनुतनययधक् स
 मिताठाक् वध्वा मीयामाके मयुं जीत धीष्ये न्यलिकुक्ता ॥ ठुथानवली
 नः ठाउवाया धलया सयुव धका ठु लयध मिताषमावातावनार्य नय व
 थघन थयतायायाक स न ठुदा ॥ २३ ॥ ठुधमेधनधक् कालावली यसेयः

गरीतीधुं समग्रवानेनी। अगुं न युवे सामन स्यात्तु वीधवसाठायां सैद्धं कलदासी।
 वीकमिडुं वनहलीनमतेन साठाले समुद्रव गापति वीधयादा धीपामसी ॥ २० ॥
 ययैसर्ववयपक्ष विलाधक्यपयस्य प्रीय प्रेयाकर्ममाने की वीधयकतरीसती ॥ य
 लेखि प्रजाजाने इथाधनताहादाय सक प्रसन्नचिद्वै १०० दुकिडकपनि कयधा
 दाकैरुकिड थथीविशोधयादया दा चत धलसा सीवन कृताद्यत प्रसने कयः
 निसजाक्यत प्रसने कयदिदाकैरुकिडीम जीवध्व क्री सक प्र सतचिद्वै १०० वः
 यमालधली ॥ २१ ॥ हिलारिल्लाचक मानी क तावे प्रममानेकी कृतये ४ वसमाया नि
 यः पनः य प्रयवया तु लय ॥ २२ ॥ विकाया प्रामन्यानी महमना मे धने या प्री ४
 सोताव्यया प्रमर्दी वल्लानी मता या या प्री ॥ मन्यया या प्र इ लेयी न ॥ ४३ ॥ दया या लः

कृतमेधन मियाया धरुल सताठय मथ ल वरुयाया प्र इ लेने ता प्र ॥ २४ ॥ अ
 ध्याया ला मन्यानी मन धावा निना क ला अमे धने ज ला सीनी महमनी मे धने क प्र
 ॥ थ वमने या या क ला अधवा म क य सदै या ज ला मे ध क उदा व मी या क प्रामे वनक
 धन मद गदा व ॥ २५ ॥ अदि प्र न मदा धाने गदै ल म प्रामे ध निगा पी नि क ल क ल सा ५
 उय न क सा व ला विधी ॥ २६ ॥ स ल मथ ल क साक रिद म थ प्र धिद्विद्व म थ प्र
 या ल आदि य ॥ २७ ॥ ल म प्र म थ ल क मी थ व व सा धा म वेद क या थ च्छु ठु प्री दा प्र क
 विधि धा या ॥ २८ ॥ सु ल कं या य दा प्रामा ल क्की न म द ठा मि न ॥ धन क मिय दा सिः
 ता गदा गे द र र क ना धा धी प्राम स च्छु ग व ल क्क न या दा प्र दा स्य व द्या ७ धी ता याः
 सै ता हा व धन थ ग द थ स क ले धा सी इ य र ले ॥ २९ ॥ क र वृ लि ४ य प्र धी धा

कश्चात्मानि गच्छन्ति । तन्मयं वाचसीकृतं । सच्चिदाद्विदताशा । मनसा यादृशं हृत्
मंतया आदिन वक्तुं प्रयत्नं । इति हृत् । थव आशु यमं थल । च यासि नीतवदृशं
ल । ह्रवद व धन माया वलि । र्थद्विद इति ॥ २५ ॥ अथ ता वाधीता मर्षः । यवासि
पलस्य वक्तुं विविता विमते श्युः । यस्तु तद्वत्ताशा नः । अथ तादृशं लयं हृत्
धनं । वाधिदृशं कश्चात् प्रयत्नं । मयं अस्मानिर्वधनं । यत्र ठा ह्रस्वसं लयं वादः
र्कं । थधनं । सवेस्य वलं र्थवादं । थधनं । थदोर्कं । माया र्कं सिद्धाय । दृशं तां धायः
॥ २६ ॥ थायं अनिता माया गिर्कं । वापिदिनदिनं सगर्भं च तीयानि । यस्य स
समानः ॥ २७ ॥ व्यक्ता मनसा । थथा यमं । दिनं प्रति द्विधायं । कृत्वा यकां । ॥
उसवां लुधनिर्कं प्रहर्तुं । द्रिदं इति ॥ २८ ॥ यत्रानं यत्र वक्तुं । यत्रायानं य

उरुमयपुष्पजधामपुष्पदली (ठाथी) छु प्रियया जादा गडा इदं लसं नी (थ) इ
ली (थ) ॥ १ ॥ असु संपर्कदायक अधमायनिसाधव साधयति मित्रमार्क समा
विदिसमायता ॥ असु धूव नायं चान दावदायनदा साधयनि अडाधरुली लासः
विदनेनाकयवथी साधवैद लास साधमवे लदायाथी दायव ॥ २ ॥ उरु मे
छादसीतान कनयानि धामनिगी सुद्वार नानि धायानं अथागे कछु मेछाद ॥ हि
दवनाया लाटदाव छु क उरु मगवदली त्याक हानवनाया चानदाव मयत क
या लतली ॥ ३ ॥ किक प्रियसिंघक सतावद लतिक मभा यलान्द लमधो
हं केषा यिना लोरी छान ॥ नापायी दाव दाय सताव छु लिह लमदव अताथ
सहन जीवल को नायं चाद जीवल पद द्य आद जीवल पद को जीवल प

वादछावा लक्ष्यमदव सतावद लमदव ॥ ४ ॥ छक लव सर्व धन मधनिवयमि
हिता मधुली लक्षमावदि निर्वर्ति मधुलायत ॥ साव लदा हो दथम निवय याव
मय थया छालि कलि नवीय इद नवध प्रयंतयान निवया क मद्रव थथी ॥ ५ ॥
पुरुक वयया विद्या यल लक्ष्म्या यादनी कार्य कालय सी घाफ नधम विद्या न गदनी
॥ पृथा सया सीन या विद्या सावया द ल स री द धन कार्य सिद्ध दव व ल स थविद्य
न विद्या मद्रव थधन धन मद्रव ॥ ६ ॥ इ लक्ष्मि निवमि गधी निरुद्धा निवध व ४ वि
यथा न क र्क वी मधिगानि लानि ॥ गायी न वाद मित्र धान्य मद्रोति छक यथा
न नयाय यत्र काल स क न मद्र निरुद्ध ॥ ७ ॥ अतया द मपुष्पानि इ लक्ष्मि
या वाधनी काम काल य छु न य काल नायति छति ॥ वन सवा स लान गायि

नयाद ठानि (क) वधाद वासा नया थी ॥ ५८ ॥ एक वध दिन स क म दिन स थान
 ले निल थ व न नाग स र स न्या द न था य था ॥ एक म व व न काम स व या डा ॥
 म न थ र ली ग थी ली डा यो ले ले या थी ॥ ५९ ॥ क ठा य द अ धि ठा र द म थ क
 ल र स थ च ना यानि स ली यानि उ ता य म य द स ल ॥ क ठा र द र ली स धि लो क
 ठाला द यि म प्र थ क चाले स र्थ ठा सी व व थ य नानि स ल र लेश ॥ ६० ॥ निः
 स लो क य न स वा नि स लाल नि का ठ लो दो य री ई क णी ल स थ ठा गि वि य स ॥
 नि स ल ॥ क य नी या क स वा या य ला ठी या क ल र द धि या क धि ल वा क धान
 द द प द थ थ ग नि स ल र ल ॥ ६१ ॥ व ल य म क ल यी पा ऋ वि प्र या म पि क न्या की
 ध प्र य णि नि न नी च क वे वा री डा द ठा क ल ॥ क नी र्क न स क ल ठा म य ल य क न्या

अ म र ह थि 587 I
 ASHA ARCHIVES

वि प्र य र ल ठाने नि य म र व थ म व ड थी दा द री वि वि वा दा या य अ ठा ॥ ६२ ॥
 वि षा द य म री ठ क म म धा द पि का क र ने नि वा द य री मी वि द्या माले ल र स ल
 द पि वि य य ठा याने ठाने अ म र र ल दा व का य म ठा अ य वि य थ य ठा याने
 ठाने ल का य म ठा नि च या क चाने ठा री ड च म वि द्या र ल दा य स न्या माल
 अ क लि र ल ठाने मी प्र न र ल दा री का री मा थ माल ॥ ६३ ॥ क स र री क ल ना
 कि वा धि क य न पि दि र ठा क न न वी डा य री धा य क स नि क री ॥ ठा य द म र द य द
 म द वा पि न ठा म पि द ल य ठा न न द य म स व री य वि र ल र नी अ न ल अ न ल
 ठा म माल म द ॥ ६४ ॥ दा यो य री ठा धा य नि णि ठा दा य पि मी य री ठा क माल स य
 य स नाला र य नि क र ठा ॥ दा य न र ल ठाने म द री म द ठा न र ल ठाने म द री



यक पृषवर्षसमयाय थस्वगा मिश्रया मुदादना॥ १२॥ क वय की न य स नि
किं न रा ष्ठी नि वा य धा प्रमादा किं मे कर्यंति किं न संलुपन्ति मद्येण॥ य छिन्नयन्ति सीः
चू मघाद् द्यन चू मनव मिश्र न चू कर्म मया क र्थ न का व न चू म धा व श॥ १३॥ य
गुप या न नी ता र्था य रु पि छु यु था रु ना हि ग भु था न नी मि ठ सर्वोत्सा य था रु हा ३ वा
काय द य क या नी क या ग पि छु थ य क या नी का य थ व ता क या न क या नी मि
उ थ व थ व र्क हि ग या य था रु न रु क या य स म र्क श॥ १४॥ डामूत उ ना रु मी प्रा
का या व उ ना ठ र्हा न प्र बा व ल ना द्य ध म य रि षा व ल ना क्षु ती य श॥ डामूड न दू
व ए पि वि य रा ल न दू व चू य ज्ञा रु क थ व द स दा दू वे मि शा रु क थ व र लि उः
दा दू वा॥ १५॥ न य हानि न के धानि न पा का ल न ल ष्य क न वी धा ने व वी धा वा छु

श्री लाल कूल लकीया ॥ युष्माकां यथा कालं लक्ष्म्या यादाशुवर्तधनवर्धनया सने
 कूल लकीया इत्यथ धवहाल इती ॥ १८ ॥ नदिय यत्र न कूलं न प्रिया न यत्र कूलं
 नालिना न नदिना च स्वर्चंदल ललिता गति ॥ नदि न गिल कर्म कली मिसाने धव
 कूल चेतन कली मिधमया इल सने नदिया इल सने स्वर्चंदन च ललय इती ॥ १९ ॥
 श्री धर्म मन्त्र यथा सप्तम्यार्या कृतो न धो वने ल न यथा गति ॥ लक्ष्म्या च वर दमा ॥ २० ॥
 अनवेन के अननया रीद वर इती ॥ नैर्य वन वते दाव मतिद ॥ २१ ॥ लक्ष्म्या सने
 धर्म मन्त्रा ल लय वर दमा ॥ धर्म मन्त्रा ल सने ॥ २२ ॥ धन दाव तीद ॥ २३ ॥ लक्ष्म्या लय
 नदि न च कूल दि न धाल सने ॥ अया न म म नालि मित्रो वर धनि गति ॥ लक्ष्म्या
 नम दया क चंद लक्ष्मि कूल दि न या क चंद धाल सने ॥ अया न धाल म लय गिति ॥ २४ ॥

न न च वे न द वा न भ य का र्थ ॥ १० ॥ य स्य रा र्था वी प्र चा पी क स म ली क ल ह प्रि य ड त ला
ड व ल वा दि त ॥ ११ ॥ ज ला न ज ला ज ला ॥ १२ ॥ य ॥ मि त्रि वि प्र चा वि वि षा ॥ १३ ॥ ल स ल म
ला क ॥ क र प्रि य ॥ १४ ॥ ड त ग ड र ल न ला य य व थ र्थि र्थि नि ली ज ला ध य ज ला म ष र ल
ध य ॥ १५ ॥ ज स्य रा र्था स्य प्र चा य ॥ १६ ॥ ल स म नू ठा मि नी नि र्थि म धू ल ता वि च ॥ १७ ॥ य
न धी या धी या ॥ १८ ॥ य र्थि य म्मी स्य प्र ची र्श ली ॥ १९ ॥ य ल ष या ली न द व द्धि र्थि य कू व र न द्वा क
मी ॥ २० ॥ य य धी ध य धी म ष धी ध य ॥ २१ ॥ य स्य रा र्था ठ द नी र्थि ॥ २२ ॥ धु नि व य नि ठा मि ता
ग स्य सी द नि ठा ग नि ॥ २३ ॥ य ध नि व दि मा ठा म् ॥ २४ ॥ य र्थि य म्मी ॥ २५ ॥ धी र्थि न्वा य य नी ॥ २६ ॥ पि वा न ड
द र्थि ॥ २७ ॥ य र्थि य धा नि ल अ नि द ष र ली ॥ २८ ॥ धी धा ल र्थि द य य र्थि र्श ली ॥ २९ ॥ य स्य ठ द
प्र रा र्था य ॥ ३० ॥ मा गे व दी ग का लि नी ॥ ३१ ॥ व द न ग स्य ठा य नि ॥ ३२ ॥ य य य य य धा धा ॥ ३३ ॥ य र्थि

य म्मी ॥ ३४ ॥ मा म र्थि द नि द य व ली ॥ ३५ ॥ य य धा पि ल व ध मा न र्श ली ॥ ३६ ॥ य क ला या ॥ ३७ ॥ मा र्थि
र ली ॥ ३८ ॥ किं ज र्थि य र्श ली ॥ ३९ ॥ य म क श न य क ल के ॥ ४० ॥ य ल म्भ के क ला ल मि ॥ ४१ ॥ य स्य वि धा
म र्थि क ल ॥ ४२ ॥ न ल र्थि का य यो या व च्छ य ॥ ४३ ॥ य म क स म्मा य र्श ली ॥ ४४ ॥ क ल ध ल ल य र्श ली ॥ ४५ ॥
व र्थि का य न ग म क ॥ ४६ ॥ य य धा क ल या वि धा म वि व र ली ॥ ४७ ॥ य म्भ ज र्थि म
व र्श ला ॥ ४८ ॥ य य धा म र्थि नि र्थि य ॥ ४९ ॥ य स्य नि नि य म र्थि न ॥ ५० ॥ स म्भ द वा क ल य र्श ॥ ५१ ॥ य म र्श यो ल य
ग ल र्थि ॥ ५२ ॥ य य म द ॥ ५३ ॥ मा र्थि य धा म र्थि स्य य द ॥ ५४ ॥ य द न य र्थि य र्थि ॥ ५५ ॥ नि र्थि द लि मा र्थि न ॥ ५६ ॥
म द वा क ल वि य र्श ली ॥ ५७ ॥ य य र्श मा क र्थि र्श न ॥ ५८ ॥ ग द वा क दि न्धु मि ॥ ५९ ॥ य व का
य य र्श वा न ॥ ६० ॥ दे व र्थि र्श व य पि नी ॥ ६१ ॥ य र्थि र्श म्भ स थ म र्श य म्भ ड र्श य व ॥ ६२ ॥ दे व र्थि धा या
धाम र्श का र्थि वी क ल पा र्थि नि न र्श य व र्थि ना र्श ली ॥ ६३ ॥ दे व र्थि वि र्श य य न च र्थि र्श ली

डारु लीकली ॥ ४५ ॥ यकतायुगियायुग। दहप्रिदहाधनवतु। कन्याकालावधमन्यपिन
 तयाहातिविक्रिया ॥ कपटसुक्राय। कायसुद्धी। वासानदी। माधमदी। लिङ्गसुद्धी
 धर्मायाविकालमद ॥ ४६ ॥ एकवावदवधयथा। यामकायदिउकता। यमककाधम
 धन। निलम्बावधमसुद्धी ॥ कायगतलदीदयावच्छाय। कदाचित्। गथावानधमः
 श्रीकायवानिवरुन्। धनजुधमधीयसुयाक। निलधमडचेललयधय ॥ ४७ ॥
 एकनधुकावधन। दहमाननवक्रिना। दहकनगदलीधव। कपुननकलीयथा ॥ सि
 माधुमा। नदावधाद। मीननव। सकलानव। धर्माकपुनधाकलदुवकलीकली ॥ ४८ ॥
 यकनापिसुवधन। पधिकनसुधधना। वाशिरीतवनीधव। सपुनधाकलीयथा ॥ ४९ ॥
 सिमानवधावन। उतपीनाधमवकली। सपुननकलीगरी। लीनकली ॥ ५० ॥ यस्ययुगः

या
 वधमदहा। तार्याचन्द्राधमिनी। विषवाधपिसंभुदं। सधनसमदिनय ॥ ५१ ॥ धर्माकाः
 यपनि। सवकपनि। निलि। धवधमधावधधनधमकाध्या। पिथिविरीसुधयलाय
 ॥ ५२ ॥ ययुगामपि सुवसा। धापितायसुयाधका। गना। जीविधमधा। सार्तायुनिदः
 री ॥ ५३ ॥ धवधमधनवध्यावधमरुली। धयुगधध्यावधनं। यासमपावनले। धवव
 धथायधाविधमसुलीधमिन्। गतिपियुधयावधमली ॥ ५४ ॥ यस्यनिवनि ॥
 निवनी। विप्रमिगुधवधधवा। धारुलीजीविकसुनि। जलार्थकाननिवनि ॥ ५५ ॥ धवधम
 लम्बावधना। वाधधमीगवाधवा। धर्मायामादयाधमरुली। धमकाधय ॥ ५६ ॥
 धनिवनिठनकसु। यसधमधनिवनि। धनधमविदिनसुनिवनी
 धवधमधनधमनीरीकयाद। माकधधमकाधय। धनधममदधमनिरुली ॥

॥२॥ वाचासलसूनीयस्यार्थप्रचिवनिधानि लक्ष्मीत्यावावतीजस्य धारुतेनसमि
 वनी॥ ववकेयावचनधाहा लसुनिधानी स्त्री प्रपवनिरुली लविहावावनिरुली थव
 मादाधरुलधाय॥ २॥ धर्माधकाममावाधी यथोकाविनेद्यता जयागललस्यपि नि
 लथयस्यनिविगी॥ धर्मा अर्थकाममावाध्यावकेयामदयिवरुली मनागलप्या थया
 मादानिलथधाय॥ २॥ धर्मसुखविदिनस्य दिनीयानिचविकि या सलाहकालवमु
 धा सुयीववयुनिकन॥ धर्मावावमदयादिनवानि अजियनरुयु न्याकप्रमियावस
 तथ थथ धर्मीनीलनवदी विनाहाइली॥ २॥ धावालयिठु नवावा दाषावाठु
 लालपियकीयुकेवेयाठुअ नवावाठु २ गोयवावा॥ धावाइललधर्न पुनय
 द्वाय आवा मिठुयाइलधर्न दावद्वायआवा युकेवेइयदनाथावा ठु २

आठुकाधा अइठुमिद्वायदेनमभव॥ २॥ अकरुवीनयाभो कठठगेप्रपि
 करुवमवकरुव यादीकठठगेनपि॥ मया लयायमभव कठठायाधर्माथ
 नधानी यादलइवायायमाल कठठायाधधनधानी निष्ठयनेमयादलयायम
 भव॥ २॥ कालधचैपिपूनधाधि कालचमिठुविठुई कार्याकालनसेवा का
 लेषपमिपठिगे॥ कालधासकुवसीधाय कालधमिठुववाय कार्ययादठु
 दोधा कालदस्थयीदीनन॥ २॥ निवानकधालसीठुदेन दिमियधनकध
 माफ॥ ॥ कालयचमिठुतोनि कालधादलनपुआ कालसुपवआगति
 कोला॥ ॥ हिंदुलनिकम॥ कालयानीयाकवनिव कालनपुआयाकव
 नि॥ ॥ व कालीसंदन कालसीमाठालपीधानथधिरु कालयूल॥

पूलकममिव॥१॥ कालातृयलादिर्नविर्जं रुलीकालातृयवर्कन वलपवर्कनसुः
 र्शि मनः४का लापिर्मह लेतु॥ कालयाकनानय पिच कालदानसुधियाय कालभाक
 यव॥२॥ यदि छमेरु मिलायेष च न्नाकानिलमात्रा धावेते कालध्व तस्मात् कालो म
 हाकली॥ अ काठादि धायेधिवि लेखवन्तु मा सूर्य अग्निदृष्टा धावेते काले न
 माचकय धायेयाकनान अग्निर्नव॥३॥ किं कलिषागिवकाच लुभायायव न विः
 धर्गे नठन४षायनक ग्राम उक्तं किं कलिषागिशा च्छयाय झाया वचन ठव न थाय
 धादद मद ल्य धैयी लि च्छद नठनषायन ठममहा वमु ममा ल पत धा विद्रि पा च्छः
 य॥४॥ कद लिवनम धाक वक्रि मन्दपत्रा कामा अविवाजेन स्तन लुनवान् किं कः
 लिषागि॥ कलि लवन सग यामि च्छय मद्र्थ मर्षया धा स छदी कन पो झाः

गदाव मर्षयनी सदा डडुडदावदयिव॥५॥ यलथरि नमकादा सर्वगिकिपः
 साठा लतद मिच्छु नि यलथरि नसा धवा यन्त्रय कालसं समुडनमकादि मध
 चलपयकाव साधु कदा नरु कया सठा लतद यायमगेव यत्रय कालसं॥६॥
 मत्रु छविगवलीन मकादि साठात्र सच यतिप नमदासला नचलनिकदोविता
 कलया अकसी समत्र चललय समुडनी सामा मधयलय मदाय प्रखनरुया
 विदिदि लास मययय लालक लसनी॥७॥ विद्य गं मिखवयया विद्यत वाक्कनः
 ठप यात्रुर्न विद्य गतिव दया साधु विद्य गं म्नी याकचय वादव वाक्क धायक
 तयदव च्छावचन निचया कदव साधु याकदयादव॥८॥ साधु समानमायन र
 वनिदद विद्यायी डय काल सग नापि द्रुर्न न कन ठरु च्छन॥ साधु न समानया

दादा धं वसली लमिये य मोठा शव इर्न नया कइ कया सउ च्छा गाडय का प्रयाः
 गसने सुनाने धवयाय मजिव ॥ १० ॥ वृद्ध वाधानि सामुनि नावृद्ध १४ म सुवाधयः
 ता यमक पि क गदि प चषदि न न प म ॥ ११ ॥ सुनिशका सामुन वाधयाय किव
 निशानि सामुदा वाधयाय मजिव वाथे धात्र सा यमक द मने च्छा यकी गल मि
 खा धा म र्वे द थै ॥ १२ ॥ नालिक उ समा का जा द धा न क पि धा म नी अ न दि द व वा की ॥
 जा वदि च व ग नाय मा ॥ नलि का प्र थं स के न इ य व पि व न म रि द इ व न रि द
 न य का उ इ र्न द इ य व व य ल स थं पि व न रि द इ व न का थ थै ॥ १३ ॥
 च न्द नी धा ग ली च न्द च न्द म च न्द मा च न्द च न्द न थ म धा सा ध १ म स र्क धा ग र्
 ॥ धी ख न्द धा ग र च न्द मी धा ग ल च न्द मा वा धी ख धु वा नि ठु वि स सा धः

जन वा ना या जा य अनि र्ध सी ग ॥ १४ ॥ अध ना ध न मि च्छ नि पि नि मि च्छ नि म ध
 मा ड र्क मा १ मा नि मि च्छ नि म ना दि स द नी ध न ॥ अध मा न ध न या य पि य य
 म ध मा ड र्क म न मा नि या य सा ध स र्क या य व ॥ १५ ॥ म कि का य न मि च्छ नि ध
 न मि च्छ नि पा थि वा ध नी वा क ले द मि च्छ नि सा नि मि च्छ नि सा ध वा ॥ सा जि ध या धा
 ल ल य जा डा ध ध न द य व ल स मि च्छ या ला य य यी व सा ध र्क धा नि र्क यः
 व ॥ १६ ॥ यि न पा वा र्थ मि च्छ नि य प मि च्छ नि दा पि का क न य १ क ल मि च्छ नि ख र्क
 मि च्छ नि गा य मा ॥ १७ ॥ य च न न द क सी ध न वी च्छ या य व ल य वी च्छ या य व म म
 मा वा प नि सी ॥ १८ ॥ य वी च्छ या य व क ल रि क सी त य धि य नि सी ख र्क वी च्छ या य
 व ॥ १९ ॥ अ ति क ल धा न ड वी अ ति ला र ल सी य य पि दा वा या व रि ने व सा धः

पवित्रं ॥ अग्निश्च स्वतः धनं वायुः अग्निनाशनः स ख वायुः भवयातापिदविया
 धनं वा साधया क मद्र ॥ १० ॥ असकं नालं वायुः अकार्यं न व का प्रयत्नाः स्वयः
 कार्यं न कुर्यात् निरुः प्रव का लयन ॥ कृनि श्रीनः मरुया तुली मः आरं मः मया
 का अकार्यं मया क च क धंद कार्यं यो री अथा रुः निरुः प्रव का लयन ॥ ११ ॥
 ॥ ११ ॥ ॥ ११ ॥ लो लो लो ममानिकं मोकि री न ठा ठा ठा साधवा न दिस बने च न न न व
 न व न ॥ यद्य न यति मानिक मद्र कि सि यति म नि मद्र साध स क री मद्र तु यति
 धा र व धु मद्र ॥ १२ ॥ यत्र कार्यं स्वयं कामाः स कार्यं प्रिय साधने मरुका र्यं निवः
 कि जात्र कार्यं य विका मी भव या कार्यं मय तु नि र्थी या के र्क ध व कार्यं म उ
 गिन साध प्रया मिग या कार्यं स निष्ठ य या के जात्रा या कार्यं स व प्र या यो ॥ १३ ॥

अत्र लक्ष्मण निवार्ता यत्क र्म न लक्ष्मण धात अत्र मपि साधु नी ॥ १४ ॥ लक्ष्मण ति व
 ति ॥ निवन या द कार्य लोख स या द द थो द लु वी स य मद्र साधु जन न या दाः
 कार्यं च व क थ मद्र लो दो स या द थो यानु य ॥ १५ ॥ मद्र गो मा प द ४ स नि मद्र
 मा मपि स मद्र ४ ० त ल व म न थ य ना य दाने व स मद्र न व या अ प दान व स म
 दान व चिवा म न थ या आप दी मद्र स म दान मद्र ॥ १६ ॥ ॥ १६ ॥ लु लु य नि य च धा वः
 लु धा व धा व च नु मा वि पू ३ स प्र दान मद्र मद्र गो के स री य ने ॥ मद्र द व स लु लु या
 य अ र्क पा न न च नु मा सै लु लु या य व लु स प द वि पू सै लु लु या य स म प्र याः
 व म व प य स सै लु लु या य हा थ आ प्र या व ॥ १७ ॥ लक्ष्मण क या थ क र व र्क वा नः
 धम लु चि नि का सर्व बो धा धी ना म र्क क्रि या व ल ध व धि नी ॥ वा क र्क य प्र य र्क
 धम लु स व प धि थ स म र्क व स नि ध र्क म र्क की या क र्म या र्क क्रि या व ल ध व धि

तर्न॥२३॥ वादि हं अष्टवक्रासिक प्राज्ञमवागपावर्दी। धीप्राचलात्रिकुर्वन्ति। क
 नप्राश्नकपिवादकैः॥ वादमवधिज्ञा। सदेवनिज्ञा। प्राज्ञस्यवा। तथावन। थं
 नि। धीप्राज्ञ। पनिसी। गुरुवशायव। कामप्रपनिसी। आद्यायायव॥२४॥ उड
 दनार्थवार्तिक। विद्यार्थिचवद्दुर्गी। मयुका। प्रमयेलापी। मानार्थिनयति। उडः।
 त॥ धनार्थिनवननद्यापात्रयायव। विद्याप्राययवर्दी। अनागतामुदनिव
 येययवर्दी। मयुकायस। श्रीममनयायव। अर्दीकाययव। प्राज्ञमइयव।
 ॥२५॥ मख्यपद्मदलाकाली। वाचाचन्दनसिगरी। प्रिविधधूर्त
 कदी॥ अथपलपनिथी। कामप्रचाकुरचदा। धीरवहु। थंहीगल। लूठवदकः॥
 रिंथी। थसनाधरुया। ॥२६॥ इर्जनियकदीच। नवविधमहाकात्रः

यतामधुधुवन्ति। त्रिका। (दुदिदलाहर्लविषी॥ इर्जनइयू। यकानगुझाः
 क। विधमसमयायव। कलिमथासगयाथीवयव। लूठवसदजाहउ। धयाविष
 थयानयव॥२७॥ खलसर्वयामागुदि। पत्रिडा। धीयसा। लोमनाविलमायाः॥
 धि। पठपहोपिनयधपनि॥ इर्जनडा। यवयाचिड। थयका। योयधंदरवीद। थवइल
 दाव। वात्रपायधंदरवीदनी। मख्यदाहुयव॥२८॥ देहानियाध्वथमखी। धनवन
 ध्वनिउड्या। इउरुपिचदधपक। किंथुका०००वपुषिता॥ थवर्दीमख्यदकाद
 नयाय। धनियनि। छुडादका। इलसवानहनी। लायव। लाहासीवाहास्यवादथी॥२९॥
 ॥मख्यपिचिहकृत्वा। पकृकादिपदयछु। रिद्यमताकहालन। अहयकदकयः
 ॥मख्यकागिहका। गात्रममाल। यनइयस। इयदयस। वचननहाका। पगनः

सव कछयायुगमलवर्थं वाधवियवा ॥ २० ॥ सखी कली ४ खलक ३ सखी कली
 खली गन म जोरुधिवस ४ सखी ४ खलक नाय सा मयनि ॥ सखी ३ क ३ दर्जन ३ क ३ सखी
 या सिनी ३ दर्जन ३ अगिनी ३ क ३ चान धाले सा मलु ॥ ४ ॥ खधिनी सखी आ यन या यनि
 व ३ दर्जन ३ नरु वा या ३ ननी ३ धमलिया यमनि व ॥ २१ ॥ हलि हल सद आ न सगदः
 सन वानि ना ३ धिनि नाद सद सन दहा ल्या छपन दर्जना ॥ किमिव दान चिक्क या च
 क सखा वा सगच्छिक्क या चक दामा हा क वा चिक्क या चक ३ दर्जन ३ उदा व ३ दहा
 ल्या या दव ३ उदा व दयि व ॥ २२ ॥ हलि ना क ३ द सन क छि हल द वा नि नी ३
 ३ धिनि ना ३ उ द हल द खल हल न दर्जना ॥ किमि डा ३ अ क ३ धा मा दा व या ना सखा
 वधम थ जा दा व वा धा दा द व वा ला द भा द या ना ३ दर्जन ३ वरु क खलु भा दा व ॥

वा ना सा ३ ॥ २३ ॥ दर्जन ३ य विदरु वा ३ धमलु नाली क मा यदि ॥ मनि नाली क मा स
 र्य ३ कि म सा प्ररथी क री ३ ३ दर्जना ३ क ता र न मा ल ३ धमलु सव रु उ सनी मा य न मा
 ३ मनि लन न ३ उ य य पा व या न सनी सखी वा म रु दा यू रा ॥ थ थ ३ दर्जन ३ वा री ना
 ल न मा री ॥ २४ ॥ पा या य उ वि ल ष न ॥ धन य न ठ या य था ३ नानि ३ धा व न श्री
 ३ की रा धी ३ धा व ना विधी ॥ य उ य पा उ वि ल ष ण ॥ का य द व सा थ ॥ सा स न का ३
 सा या इ द नान वि या क ३ वि ख व व ॥ २५ ॥ रु उ ३ उ वि मि स सा ना य या त क पा
 व ३ ॥ के म दर्जन ३ मा दा सी ३ वं हा द स म य रु क थ
 ॥ न उ ता सी व य रु व र ॥ २६ ॥ धा यी क क उ क दा वा ॥ अ सि मि म धू पि ठाल ३ धा री
 का ३ व वा उ य ३ क रु णा ना न वि द न ॥ या य या दा ख न य ना च य ना ॥ सि य मि र ना

या धामनिगाकाद्या (खासयाका) धूसियाक (इक थली उली मइ ॥ ३॥
 लनक मेद लाचाल मेव स देप विरथय विधम सधायकाय विनासययुताः
 छिनि धानसयाद यमि द्रवाचविवा मिगहाव सनहमायनमाय चन ध
 उसा विधम सयागदार्वा कार्थन सइ मरुवा ॥ ३॥ मई नव मई हनि मइ नाः
 दनिदापूनी नासाधम इकि विनी गसागिह म गामइ ॥ नलका ल उमाचकय
 व नायन भावका ठुलि चूकि मलद थनेन नाय चक यासिनी चक धय ॥
 ३॥ वनय छलि गावकि ददल लानि यमि ॥ समल मम लयनि जयाथा
 मइ ॥ गली ॥ छे मिवा सी हयामिन नयाव नयवा सी मायव हाइ कलद न
 वलीख वय जाद वय दाव ही गयी भावकरुव नायसिग उन ॥ ४॥ लला

मवलिवद कन्यायवद रापिनि उरलानि वरुणादि दल गय विवर्जय ॥ री
 वाक् नो छमययव व थनेयान सी गाल न माल ॥ ४॥ वरु सी खद मे धनी ययः
 दाषान कि कि नी कायद यकि नि यव द वनय विवर्जय ॥ छय मरी पितव छि
 बाका का मवद खनका यइव लाय उयवर्क थनेयान सी गाल न माय ॥ ४॥ अः
 छेयानी गाद मरु ॥ ४॥ मवथे वय छमि की ग थअ क स जादा ॥ द वनय विवाः
 री यग ॥ सरी का कि सिम रू इव नक साया ववसा सि धु का ० या मिसा थनेगा ताः
 पावर्क गाल न माल ॥ ४॥ इरु हा सु सदा मि छे यय सा मि य रि छी या यमि दव
 छि छि छे द वनय विवर्जय ॥ इरु न पुनि मी यय न यय यया क यमि नि सा
 जि हू वेद मी थनेयान सी गाल न माल ॥ ४॥ विधम द हाद मि गय मि गय पि न

विष्णुयन्त्राकदाचिक्रियामिगु सर्वशुद्धयुक्तसययु॥ वेचिवाविष्णुसयायमन
कमिगुवेविष्णुसयायमनव केदाचिक्रियामिगुनेमचायकाव समस्तुयनः॥
स्वयुकाहायायव॥ मे॥ नविष्णुसकचिह्नस विष्णुनेवविष्णुसयेनाविष्णुसः॥
हयमूलनै मूलानेवनिकनमिशा अविष्णुसकैयाक चूर्नविष्णुसयायमनव
विष्णुसकैयाक विष्णुसयायमनव विष्णुसयादायाकनान हयक्रायययुदा
नमयै गाकददधमायदव॥ मे॥ नदीनीयनखीनीय ४८ विनीसमुयानिनी
विष्णुसनेवकरुवी मीपूजाकदलनव नदिवा लसिगाहाकवा ४८ मुकादव
मिसावा जाकाव विष्णुसयायमनव॥ मे॥ नदितिलष्यावृका जावनापिनिवा
सयाह सासंगप्रदिगाजाका नरावनिवित्रायष ४८ सिसवाह सिमा अधमसइमि

सा मलिमदजाका धनगासायमदव॥ मे॥ यदिक्कुशुध्वनिपानि विनीनन
नकाययगाहममथययाठाक यलाकदाप्रधानी॥ पिरिगा मुयकयवने
रूपलाय धनवादाययाय यथाकलिदसहायाय धनयायमनव॥ मे॥ नः
ठाकदधविष्णुस नकुर्यातुल्लविष्टाह आत्मानापिगथाकाध मिगुवेयनका
ययगाइष्टवा विष्णुसमनव ततविष्टाह मनेव धमकाधिकर्यमनव मिग
कवेचियायमनव॥ मे॥ कनयमानजाजन विष्णुवृषपिपानि यवाजिनैवः
नीतर्ष नसवनिमयावधा॥ कमिगिन यलप्रयमलियाजाका छुतिनि यवनि
नियाद गववाकृदा वतरीवासनासि धनसवययामनव सुनिजनन॥ मे॥
कमैलो नालि विष्णुस केसायाक नमयति कवाडा नालिनिवृत्ति ४८ दहा नालि

भिविनी॥ कृमलिवविष्मसमद॥ कृ॥ क॥ जगयाक॥ उमिमद॥ कृ॥ जगयाक॥ सविहिमद॥
 कृ॥ द॥ हा॥ स॥ म॥ य॥ म॥ द॥ ॥ १२ ॥ ना॥ लि॥ स॥ र्ही॥ स॥ दा॥ यो॥ ले॥ ना॥ सो॥ र्व॥ व॥ च॥ चि॥ व॥ तो॥ म॥ द॥ ४०॥ स॥ द॥
 र्द॥ ना॥ लि॥ इ॥ ग॥ का॥ प्र॥ उ॥ र्थ॥ न॥ दि॥ ॥ र्व॥ या॥ क॥ स॥ ग॥ म॥ द॥ सु॥ जि॥ नी॥ उ॥ व॥ मि॥ नि॥ का॥ य॥ वा॥ च॥
 हा॥ या॥ सो॥ च॥ म॥ द॥ म॥ ग॥ वा॥ य॥ या॥ क॥ की॥ न॥ म॥ द॥ इ॥ वा॥ य॥ या॥ क॥ थ॥ सा॥ नी॥ म॥ द॥ ॥ १३ ॥ दो॥ वि॥
 य॥ वि॥ य॥ मा॥ लि॥ च॥ द॥ म॥ लो॥ छ॥ उ॥ र्थ॥ सि॥ धा॥ या॥ ॥ अ॥ न॥ र्व॥ ने॥ व॥ ठा॥ न॥ की॥ इ॥ व॥ स॥ व॥ च॥ रा॥ स॥ च॥ ॥
 वा॥ च॥ हा॥ न॥ र्व॥ स॥ अ॥ थ॥ न॥ व॥ न॥ म॥ ग॥ व॥ वा॥ च॥ हा॥ व॥ अ॥ न॥ र्व॥ ने॥ लि॥ प॥ र्व॥ य॥ द॥ थ॥ ने॥
 छ॥ उ॥ र्व॥ सि॥ धा॥ व॥ द॥ थ॥ ने॥ म॥ हा॥ द॥ व॥ डा॥ थ॥ सा॥ व॥ द॥ थ॥ ने॥ थ॥ ग॥ स॥ द॥ थ॥ न॥ व॥ ध॥ म॥ ग॥ व॥
 ॥ १४ ॥ ला॥ क॥ या॥ ना॥ स॥ रा॥ य॥ ज॥ ना॥ द॥ कि॥ ल्प॥ ला॥ ठा॥ हा॥ ल॥ ना॥ य॥ क॥ य॥ उ॥ न॥ वि॥ द॥ न॥ न॥ क॥

या॥ रु॥ उ॥ स॥ ठा॥ नि॥ ॥ ला॥ क॥ या॥ ना॥ अ॥ रा॥ य॥ वि॥ व॥ ज॥ ना॥ व॥ रु॥ ठि॥ थ॥ हा॥ थ॥ य॥ सी॥ हा॥ न॥ वा॥ नी॥
 थ॥ थ॥ य॥ स॥ ना॥ या॥ ज॥ अ॥ क॥ म॥ ग॥ व॥ ॥ १५ ॥ ना॥ च॥ नी॥ छ॥ उ॥ र्व॥ की॥ या॥ नि॥ वे॥ क॥ ली॥ च॥ व॥ द॥ छ॥ नी॥
 न॥ ना॥ ज॥ लि॥ उ॥ क॥ डि॥ ला॥ ना॥ न॥ म॥ र्व॥ ४०॥ सी॥ र्ही॥ नी॥ व॥ द॥ ॥ ॥ जी॥ न॥ न॥ ना॥ य॥ य॥ म॥ र्व॥ वि॥ क॥ ले॥
 हा॥ व॥ म॥ व॥ द॥ छ॥ नी॥ म॥ र्व॥ मि॥ सा॥ धि॥ य॥ व॥ डि॥ णि॥ ल॥ म॥ र्व॥ म॥ र्व॥ स॥ ल्प॥ ना॥ स॥ द॥ ना॥ य॥ म॥ स॥
 व॥ ॥ १६ ॥ अ॥ हा॥ मि॥ धि॥ इ॥ ठि॥ हा॥ र्व॥ छ॥ यो॥ धि॥ मे॥ छ॥ ल्प॥ धे॥ व॥ च॥ य॥ न॥ वे॥ द॥ य॥ न॥ य॥ सा॥ ना॥
 म॥ र्व॥ न॥ का॥ य॥ का॥ य॥ थ॥ ॥ स॥ रु॥ हा॥ च॥ या॥ य॥ या॥ स॥ च॥ थ॥ ग॥ स॥ व॥ न॥ वा॥ ध॥ य॥ पी॥ व॥ थ॥ ग॥ या॥
 प॥ द॥ य॥ क॥ म॥ ग॥ व॥ ॥ १७ ॥ उ॥ द॥ हा॥ क॥ य॥ द॥ व॥ छ॥ इ॥ ना॥ म॥ द॥ य॥ य॥ सी॥ य॥ ४०॥ नि॥ डा॥ मे॥ थ॥ न॥ अ॥
 र्व॥ सी॥ स॥ व॥ ग॥ न॥ व॥ द॥ य॥ ना॥ हा॥ ना॥ स॥ क॥ वा॥ ल॥ वा॥ छ॥ उ॥ द॥ य॥ इ॥ ल॥ ला॥ य॥ थ॥ ना॥ न॥ य॥
 य॥ की॥ या॥ क॥ य॥ ना॥ क॥ ल॥ मे॥ थ॥ न॥ अ॥ ज॥ ना॥ थ॥ ग॥ स॥ व॥ य॥ या॥ दा॥ न॥ वा॥ ध॥ य॥ पी॥ व॥ ॥ १८ ॥

पत्रदायायसुखं पत्रिवादं यत्र सच। पत्रिदास्यं तु लल्लनं यत्नः पत्रिवर्जः
 यत्नः॥ पत्रमु। पत्रधनं भवयायसं नमिदयं दास्यं धनं तु यत्नं सत्तयाद
 दामोत्रममात्र॥ ४२॥ पत्राककार्यहकारं पत्राकपियतादिनी वर्यायगाहसंमन
 विषकुम्पयामुखी। पत्राककार्यमात्रकवः खद्वनं थमया दातुकाकं थथिदम
 यगात्रममात्रं यसर्थदायायसं ददनयायकार्यं॥ ४३॥ कदहाककवृत्तिः क
 तार्याकुमन्दीनथा कदवीचकताञ्च वर्यानीयाहाछिगसद॥ मरिददहा
 अरुगिनथय कचविगुगिगि मरिददहा मरिददहा मरिदअन्ननं थनपः
 छिगयनिर्हं सदीमात्रममात्र॥ ४४॥ उर्वहायादिपुपनं वर्यायदीतिपाकमा
 ल्हायालिमोनिका लवत वर्यानीयायपत्रमुप॥ लवयोडव अयसजापनि वर्या

मिलाकमा ल्हायापि मनका थसकयव दथिदं द्रुपक्षिथइरी योपक्षिइर
 दाव गोत्रममात्र छिगमियादाव॥ ४५॥ थसकार्यवृत्तिद्वयं सदायापिरुत्ताद
 काविपतिषंमहादायाः पत्रिवर्जद्विचक्रहा॥ वर्यानीनकार्यं सदादयागी ननादीरुय
 दगसर्न विपतिषंमहादायन थविचक्रधानगालनमात्रा॥ ४६॥ रकातकसर्न
 पत्राकार्यकार्यचतुल्लगा सदाकार्यसंदहा रदवसर्वदावृद्धं रकअरुः
 कसायाव कार्यअकार्यचतुयास सदाकार्यसंदहा स कयथास सदीसुः॥
 निरुकेषय॥ ४७॥ रपवामकलिनानी वाक्रावपाक्रिविनानी रदवसुनहाधो
 नी कलापुष्पापकाविनी॥ अकेयियी भवया जिविनिनसीयादनं वाक्रावाक्य
 थाय पृष्ठविवि र्हायमात्र॥ ४८॥ पादयानाहयंज्ञानपद्यनीधोधिवाहय

यवतानां रायं वक्रां नु नामाघदातयं ॥ सिमायातयवायू चययातय ॥ धिडात्र
कात्र ॥ यवतयातय ॥ मत्रा ॥ नु यातय ॥ मनषा ॥ ॥ मातायदिविषदद्यातं ॥ पि
ताविप्रियतसुगी ॥ प्राज्ञादया ॥ उवात्ताय ॥ कामरात्रविष्मि ॥ छववत्रसैमासर्न ॥ यः
सनयविप्रदाव ॥ ववूनकायसिप्रदाव ॥ प्राज्ञाननुनाययातदाव ॥ थवलस ॥ अत्र
चययवयावसुद्रयव ॥ ॥ यत्र प्राज्ञासुयं चोत्र ॥ समनिसपू ॥ प्रादिनशानुगदं
किं कविष्मि ॥ यत्रात्रात्रातय ॥ छवदहासर्न ॥ प्राज्ञाथमर्थथमर्थ ॥ मनि ॥ य
प्रादिनसु ॥ इप्रदाव ॥ थथायस ॥ ननचूयाय ॥ नानानत्रात्रयव ॥ अनारः
यसर्न ॥ ॥ विधात्रातिषिमायस ॥ ललातात्र ॥ लमालिका ॥ देवाविनदिडाका
नि ॥ सैत्रिस्त्रिगयून ॥ विधात्रान ॥ क्षमात्रसथासीदया ॥ अस्त्र ॥ दवन ॥ क्षा

यथाय ॥ प्रियाममरुव ॥ ॥ ॥ कर्मनादियधानन ॥ वर्चिनीकि ॥ यथाज्ञनीयाय
नस्यकवर्दि ॥ ननदवात्रविष्मि ॥ कर्मयधान ॥ वर्दिथयाव ॥ क्षानिद्रयाव
य ॥ तागिद्रप्रदाव ॥ प्राज्ञायाठानावर्धि ॥ थनंदवद्रुली ॥ ॥ ॥ कर्मधपियधाना
नि ॥ सनिकात्र ॥ छुत्राछुद्रावसिषुद्रुल्लेनपि ॥ ज्ञानकिद्रुवतागिनि ॥ कर्मता
छाप्रमान ॥ सिंदवत्रास ॥ छुत्राछुद्रस ॥ यादाकार्यस ॥ ताठामद्रयाद्रुल्ले ॥ ठार्थधाः
त्रसा ॥ वधिद्रुमी ॥ पिदद्रुनवियालनस ॥ विवादायाली ॥ धीताद्रुवतागिद्रुली ॥
॥ ॥ सानुक्लतवत्रासिन् ॥ दाषापिछुनसैदिमी ॥ छुद्राद्रुपिदाषमीयालि ॥ वक्रा
छुत्रविधात्रा ॥ अनुक्लतिनदाव ॥ दाषयालाछुद्रामेदावत्रा ॥ विधात्राविम्व
इप्रदाव ॥ छुल्लयाली ॥ दाषुद्रुमी ॥ ॥ ॥ किं कयातिनत्रुषा ॥ ययामानद्रुवका

मि। नदिवाठयन ४४३ द्यमी॥ नदिवाठयन। वयान। केसमदिश। य। शिजलपादन। ४४३
 द्याय। मासिक। रुवन। मिसा ४४३ दिशयुव। स्वसिवाठानवादान ४४३ दिशयुव॥
 ॥ ४४० ॥ पिउचनपूजदद्यात। माउदद्यातमदद्यात। लभष्वामसनदद्यात। सुयम
 वकापिकुता॥ वयाकंधान। जीमयपुत्रिय। मासयाकनान। सानमविय। सीयाकन
 न। थववासमानविय। थमथ। थमकषियानवन॥ ४४१ ॥ कपिवाजीवयादान। वाः
 द्वादीठामननवाविदाकलवीकालन। समुदानचवीवजना॥ कपिउसायाइइता
 दाने। उद्वादिठामनयादाने। वेदअथलविचाययादाने। थम्सुड। नचकेवः
 नयवा॥ ४४२ ॥ ४४३ दिदहनयायुक्त। मासमकेनिलीतर्ज। डीवामानावा ४४३। मृग
 ४ सानध्वकायग॥ ४४३ निनियात्रागन। लदिनोकिथनसवाद। वाक्कधासा॥

म्वा ४४३ द्या। थवाक्कधा। सिमुदीविवायाद। जायपपित॥ ४४३ ॥ सिलहिनी
 उयानालि। यगदीनकुताजन। वमुदिनममवेकाली। विद्यादानदिशारुमना
 इदमइववर्कधमिसाकरी। द्यलमदयवीनयाताक। वमुलाथपसतिया। मिसा
 विद्यासववाक्कधा। थगडलावी॥ ४४४ ॥ सारागसठा। लपद्य। लभरागदिघतादि
 का। लभरागगपसायुक्त। वाक्कदी ४४३ उचभरने॥ लीवसवादपल। साता। वाक्कधा॥
 धाउयाकेनानसता। गपनपूरुपुदवावसता। सुययाद्यालसता॥ ४४५ ॥ यद्वास
 वकधियानी। मखानीवाहासर्व। ययुषासर्वकनापिनी। ठवादीचरलभसर्व४॥
 वाक्कधायाडक्कहायायकव्य। मखयाकायड। डक्कहायव। मिसियाडक्कहायपू
 च। सायाडक्कहानकचुपिजाविद्यासा॥ ४४६ ॥ अग्निहाउरुलवदी। सिउवलिः

रुलीष्टरी। प्रायिपुष्टलालि। दनमुकुरुलीधनी॥ वद स्यायादुल। यरुयाय
 ४॥ मुददायादुल। छिप्रिनिनक। मुयाकठामयाय। कायदयक। धनदयक
 न। दानयाय। शिनक। नय। मिय। नाना॥ ५॥ अठिनदद नितायन। सूर्याददति
 प्रसिपि। प्राजादद निद। ६॥ गयसावाक। ददगु॥ अठनीनदद प्रययव
 किप्रधान। प्राजानदद प्रययव। ददुन। वाक। दानदद प्रययव। गयवतनन॥
 ७॥ सनसारक। मरुमास। कलनयधिर्नयधि। गक। नादकय४यक। रुली। मास
 रुकदी॥ सनसारक। लादाथन। हियाधवि। प्राजनवावाया। थन। लमसीस। नयाव।
 उल्ल॥ ८॥ नदननमगिदद्यान। दनमानानद४यत। य७४॥ कायवीनक। रु
 कमीसायुधिस्तिन॥ थमस्यायमनव। थयश्च। प्राययमनव। स्यादासायमनव। थ।

सागागाप्रगाव। ताचि। यधिस्ति। प्राजास। प्राभनवध॥ ९०॥ नमासैरुकादाय
 नमदहावमधनीयवकिप्रवकुगाजी। निवर्कि। रुदारुलात्री॥ प्रानयानदारवन
 मद्र। थगादा। नदायनमद्र। प्रानयास। तावववदाय। थननिमिर्कियादगाप्रनय
 सा। महारुल। लाक॥ ९१॥ य७४। साठाप्रययकोथादद्यायुधीविमिनी। नरवाइंछा
 पिया। मासै। रुलमगदिइवधा॥ पिवसमूडनदाका। यधिचित्ममकन। प्राजान। दानः
 वियारुल। लवी। ठवकन। प्रागाप्रगाव। नि। प्रामासि। रुयादुलन। डरुइवसाहध। रु
 निज। नन॥ ९२॥ अठिन। प्राय४। मुया। मूरुय। सूर्य। प्राकक। प्रानवा। निरु। मयवयवा। लः
 न। स४४। प्रादाहप्रदिषत॥ मी। लीरव। मु। मूरुय। सूर्य। प्राकक। प्राय४। थनकिथेडवा॥
 लयने। गला। लदी। प्रानी। प्रादाभाचकरुव। थयनान॥ ९३॥ छुका। मीसै। मुयावहा

२३ नमः शिवाय ॥ १॥ ॐ दूं दूं दूं दूं मंगल ॥ तिरुवनवित्त ॥ धात्र धात्राति धा
 त्रा ॥ ॐ ॐ ॐ सात्रकुंद ॥ दूध पिठ दू पिठ ॥ दू मू दू प्रचद ॥ त्रिं त्रिं त्रिं का नानाद
 ॥ तिरुवनविजय ॥ सत्र संगम वित्र ॥ वें वें वें वें वनास ॥ सिद्धि वृत्त नमः ॥ १ ॥
 वें वें वें दू दू दू ॥ वक म कि व कि ठ ॥ यवुला दू मने ॥ दूं दूं दूं कात्र त्रिय ॥ प्रद
 सित वद न ॥ वृ म्मासं धल ठ ॥ ~~ॐ ॐ ॐ~~ दवानि ॥ मत्र दि मि ठि मा ॥ ठि दि मा
 ना ॥ र स का ॥ दूं दूं दूं ला त्रि न ॥ यंत्रे दू विजय त सिद्धि वृत्त नमः ॥ २ ॥ वें वें वें
 धात्र त्रय ॥ दू दू पिठ दू पिठ ॥ दू दू गाला ब धा र्व ॥ दूं दूं दूं हास्य म्मद ॥ तिरुवन
 व पिठ ॥ अ व र अ र या र ॥ वें वें वें ह ठ ना ॥ सक र त्र न दि ठ ॥ तस्य द दं विसा र्व
 दूं दूं दूं कात्र नाद ॥ सक र त्र य द र ॥ सिद्धि वृत्त नमः ॥ ३ ॥ वें वें वें व मि धा र्व

तस्य तिरुवन ॥ तात्र वा तात्र म्मत्र ॥ कैं कैं कैं कात्र धा र्व ॥ वक तित व कि ठ
 तस्य ह म्म त्रि स र ॥ दूं दूं दूं दूं म्म ल व ॥ दू म त्रि व व त्रि त ॥ दस्य वें दू र्व त्र य ॥ मं
 मं मं मं सिद्धि ॥ सक र त्र य द र ॥ सिद्धि वृत्त नमः ॥ ४ ॥ मं मं मं मं सकात्र
 त्र य ॥ म म त्रि म म म्मा मा ॥ म म मा ना ॥ म म ना ॥ कैं कैं कैं कात्र धा र्व ॥ दू दू ती त दू
 पिठ दू लि ठ ॥ धूं धूं मा त्रि क मा नि ॥ धूं धूं धूं धूं म व न्द दू म त्रि र्व व न्द ॥ कात्र
 वास त्रि स र ॥ दूं दूं दूं त्रि व त्र य ॥ म म दू य द ल त ॥ सिद्धि वृत्त नमः ॥ ५ ॥ त्रं
 त्रं त्रं ता व त्र दू ॥ त्र त्र धि त्र त्र रि व ठ ॥ दि र्व त्रि ॥ द्वा क ता र्व ॥ वें वें वें वें त्र त्र य ॥ स
 म य विजय त ॥ सु म्म दू य नि स म्म ॥ सु म्म ॥ ॐ ग म ॥ वि त्र ॥ त्र य त्र विजय त ॥ ६ ॥ त्रि स
 हात्र का नि ॥ त्रिं त्रिं त्रिं कात्र नाद ॥ त्र ग व त्रि व त्र द ॥ सिद्धि वृत्त नमः ॥ ७ ॥

[illegible]

मस्तु ॥ ८ ॥ ॐ तिशावल्लिकास्तु कस्तुमाय ॥ ॐ ॥ ५२ रामस्तु शिशावाहकस्तु

ॐ नमो श्री धमला ज्ञाय ॥ धमला ज्ञाय वाय रुख्य गवु ना तू ला कर्व क्खु वाना व
लि ते ज्ञ त ॥ श्व क्खु वा सुमा वालि ॥ सुनि यन लका

२३॥ ८॥ अथ नारायणः नारायणकामिव नारायणकामिव सतिप्रसन्नः नारायण
सामप्रदामिव मरुवाधनयिव धनहानिः नित्ययात्र सादान् ॥ २३॥ ८॥ अथ नारायणः
नारायणकामिव धनधनानिः कजप्रसाधिव धननारायणः सतिप्रसन्नः नित्ययात्र ॥ २३॥
८॥ अथ नारायणः नारायणकामिव धनहानिः नित्ययात्र नारायणवृत्तः सतिप्रसन्नः नित्ययात्र
नारायणः नारायणकामिव धनहानिः नित्ययात्र नारायणवृत्तः सतिप्रसन्नः नित्ययात्र

गन्तासु धनरातः सानवृधिः वादाथय धनरापु ॥ ॥ राह ॥ १॥
 श्रीरु सुवर्णु नारु नानमान ॥ ॥ के ॥ ११ ॥ सुमि धन सुर्व सुवर्णु नाला
 ॥ श्री ॥ १२ ॥ सुमि सतः वाडा रयः लायमात्रिक धनहानि नृगन सुदुःखद
 युवः यायक मया रू रोमः निप्रियातः सुम्यपात मत विषा ॥ ॥ व ॥ १२ ॥ मरु
 रयः धननासः सामहितः सहयारयः दुति स्यापुत्रा ॥ ॥ जय धदा ॥ ॥ ॥ १२ ॥
 केद्रिवात खनिडाः सहदयी वः धनहीनिः मिखास्याकः मद्रु रयः ॥ ॥ ॥ १२ ॥
 नृद धनदान ॥ ॥ वू ॥ १२ ॥ धनः वरुः सुवर्णु नारुः सहनासः ॥ ॥ वू ॥ १२ ॥ वा
 नः वाडा रयः धनहानिः करहः दुधर सतायः सहवृधिः मात्रस्याकः यित
 वरु ॥ ॥ ॥ १२ ॥ धनरातः सहनासः धर्मवृधिः सधिरससुखदा लि

॥ ॥ १२ ॥ सुप्रियातः जहितः वृद्धिदितः करहः वाडा रयः दुतिः मिखा
 स्यापुत्रः सहनासः धनहानिः सादानः यिधससुवा ॥ ॥ ॥ १२ ॥ सहनासः
 रयः करहः धनहानिः प्रवासमदुखः नाहनकः मादरु १ खरु दान समस
 तसः सुगत ॥ ॥ के ॥ १२ ॥ नागया रयः वृषः खनलायमात्रिडाः सहवाधन
 यिडाः धनहानिः करहः यतदसडानमदुखः प्रखकाया थासपुत्रा
 यः कररवसपुत्रा ॥ ॥ ॥ नितुवगुह द्वादसनासिसायादयारुनसमा
 य ॥ ॥ ॥ ॥ वाते कामातिरवानि ॥ ॥